एलएंडटी ने 3,210 करोड़ में खरीदे माइंडट्री के शेयर

नई दिल्ली, प्रेट्र : एलएंडटी ने आइटी सेक्टर की कंपनी माइंडट्री में करीब 20 फीसद शेयर 3,210 करोड़ रुपये में खरीद लिए हैं। बीएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक एलएंडटी ने वीजी सिद्धार्थ और कॉफी डे ट्रेडिंग के करीब 3.27 करोड़ शेयर खरीदे हैं। माइंडट्री की 66 फीसद तक हिस्सेदारी एलएंडटी करीब 10,800 करोड़ रुपये में खरीदना चाहती है। इंजीनियरिंग सेक्टर की दिग्गज कंपनी ने कैफे कॉफी डे के मालिक सिद्धार्थ से माइंडट्री की 20.32 फीसद हिस्सेदारी खरीदने का करार किया है।

नए नियमों की वजह से अगले एक वर्ष में ऑटोमोबाइल सेक्टर में बड़ा बदलाव आने वाला है। नए प्रोडक्ट्स में कंपनी उन्हीं बदलावों को ध्यान में रख रही है।

— पवन मुंजाल
चेयरमैन, हीरो मोटोकॉर्प

सेबी से मिली सजा पर एनएसई तलाशेगा सभी कानूनी विकल्प

- एनएसई प्रमुख ने कहा, सेबी के आदेश से मामला एक निष्कर्ष तक पहुंचा है
- आदेश का एनएसई के कारोबारी परिचालन पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली, प्रेट्र : को-लोकेशन मामले में बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) का आदेश आने के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रमुख विक्रम लिमये ने बुधवार को कहा कि इस आदेश से मामला एक निष्कर्ष तक पहुंच गया है और भविष्य के कदमों पर फैसला लेने से पहले सभी कानूनी विकल्प तलाशे जाएंगे। सेबी का आदेश आने के एक दिन बाद उन्होंने यह भी कहा कि इस आदेश का एनएसई के कारोबारी परिचालन पर असर नहीं पड़ेगा।

एनएसई के एमडी और सीईओ लिमये ने एक साक्षात्कार में कहा कि सेबी के आदेश में अनुचित कारोबारी गतिविधि या घोटाले का प्रमाण नहीं मिलता है। हम पर किसी घोटाले का आरोप नहीं लगाया गया है। उन्होंने साथ ही कहा कि को-लोकेशन मामले में नियामकीय नजरिए से कुछ भी लंबित नहीं रह गया है। यह हमारे लिए सकारात्मक पक्ष है। क्योंकि अभी तक नियामक की ओर से किसी आदेश या किसी फैसले के रूप में मामला किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा था। सेबी की नजर से मामला यहां समाप्त हो जाता है।

सेबी के आदेश को चुनौती देने के सवाल पर लिमये ने कहा कि अभी हमारे पास सभी कानूनी विकल्प मौजूद हैं। एक्सचेंज को कानूनी परामर्श लेते हुए स्थिति पर समग्रता से गौर करना है और यह देखना है कि संस्थान के लिए सबसे अच्छा क्या रहेगा। उन्होंने कहा कि अगला कदम तय करने के लिए हमें कर्मचारियों की स्थिति और आइपीओ की स्थिति पर भी परामर्श लेना है। सेबी के आदेश के कारण आइपीओ से फंड जुटाने की एनएसई की प्रस्तावित योजना छह महीने के लिए और टल सकती है। कानूनी परामर्श 15 दिनों में मिलने की संभावना है। इस पर बोर्ड में विचार किया जाएगा।

एक्सचेंज की वर्तमान प्रणाली के बारे में उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से सुरक्षित प्रणाली है। जोखिम खत्म करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। नया डेरिवेटिव उत्पाद लांच करने पर लगी छह महीने की रोक के बारे में उन्होंने कहा कि नए उत्पाद की कुछ योजनाओं को फिलहाल स्थगित करना होगा। कमोडिटी आदि में नए कांट्रैक्ट की कुछ योजना थी, क्योंकि हमारे लिए वह नया सेगमेंट है। उसमें से कुछ में छह महीने की देरी हो जाएगी। लिमये ने हालांकि स्पष्ट किया कि गिफ्ट सिटी एक्सचेंज पर नया उत्पाद लांच करने पर रोक नहीं लगाई गई है। गिफ्ट सिटी एक अलग एक्सचेंज है और इसका रेगुलेशन अलग है। यह आदेश एनएसई से संबंधित है। सेबी का आदेश में सिर्फ घरेलू एक्सचेंज पर नया डेरिवेटिव उत्पाद लांच करने से रोक लगी है। करीब 1,100 करोड़ रुपये वापस करने का कारोबार पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर लिमये ने कहा कि किसी भी कंपनी के लिए यह कोई छोटी राशि नहीं है। कुछ समय से हम इस मद में कुछ आय अलग कर रहे थे। इसलिए हमारे पास पूंजी है।

क्या है सेबी का आदेश

को-लोकेशन मामले में सेबी ने मंगलवार को एक अहम आदेश दिया। इसके तहत एनएसई को करीब 1,100 करोड़ रुपये के हुए लाभ को वापस करने के लिए कहा गया। एनएसई पर अगले छह महीने तक कोई भी नया डेरिवेटिव उत्पाद लांच करने और सीधे या परोक्ष तरीके से प्रतिभूति बाजार में प्रवेश करने से रोक भी लगा दी गई है। आदेश में एक्सचेंज के कुछ वर्तमान और पूर्व अधिकारियों और कुछ स्टॉक ब्रोकर्स पर सख्त कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिया गया है।

को-लोकेशन मामले में एनएसई पर था यह आरोप

एनएसई की हाई-फ्रिक्वेंसी ट्रेडिंग में घोटाले का मामला 2015 में प्रकाश में आया था, जब इसके बारे में नियामक को एक शिकायत की गई थी। एनएसई पर आरोप लगाया गया था कि उसने कुछ कंपनियों को हाई फ्रिक्वेंसी ट्रेडिंग में अधिक सुविधा दी थी। इसके तहत एक खास जगह स्थापित एक्सचेंज के कुछ सर्वर को कारोबार में वरीयता दी गई थी।

हीरो ने लांच की 200 सीसी क्षमता की तीन प्रीमियम बाइक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- बुकिंग जल्द शुरू, कुछ ही हफ्तों में की जाएगी बाइक की डिलिवरी

दुनिया की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने फैसला किया है कि आने वाले दिनों में उसका फोकस 200 सीसी से ज्यादा क्षमता वाली प्रीमियम बाइक पर होगा। कंपनी ने बुधवार को 200सीसी क्षमता वाली तीन बाइक एक साथ लांच की है। इनमें एक्सपल्स-200 की कीमत 97 हजार रुपये, एक्सपल्स-200टी की 94 हजार रुपये और एक्सट्रीम-200एस की एक्स-शोरूम कीमत 98,500 रुपये रखी गई है। पिछले एक वर्ष से कंपनी 200 सीसी क्षमता वाले वाली नई बाइक लांच कर रही है।

हीरो मोटोकॉर्प के चेयरमैन पवन मुंजाल ने कहा कि अगले एक वर्ष में देश में नए नियमों की वजह से ऑटोमोबाइल सेक्टर में भारी बदलाव आने वाला है। यह बदलाव नए सुरक्षा और उत्सर्जन मानकों के लागू होने से आएगा। नए उत्पादों के जरिए कंपनी ना सिर्फ इन मानकों को पालन कर रही है, बल्कि ग्राहकों की बदलती मांग के मुताबिक नए उत्पाद पेश कर रही है।

कंपनी ने कहा कि लांच की गई तीनो बाइक की बुकिंग बहुत जल्द और डिलिवरी कुछ ही हफ्तों में जल्द शुरू की जाएगी। उक्त तीनों प्रीमियम बाइक को अलग-अलग ग्राहक वर्ग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। एक्सप्लस-200 को ऑन रोड-ऑफ रोड बाइक के तौर पर पेश किया जा रहा है, यानी यह सामान्य सड़कों के अलावा उन रास्तों पर जा सकती है जहां सड़कें नहीं हो। एक्सप्लस-200टी को नई तकनीक में पुरानी डिजाइन के बाइक पसंद करने वालों के लिए तैयार किया गया है। यह उन लोगों को खास तौर पर पसंद आएगी जो मोटरसाइकिल पर लंबी दूरी तय करते हैं। तीसरी बाइक एक्सट्रीम- 200एस शहरों के ऐसे लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो रोजाना बाइक का इस्तेमाल करते हैं।

आफत ▶ ढाई फीसद बढ़ा एटीएफ का दाम, हवाई किराया और बढ़ने की आशंका

डगमगाते विमानन सेक्टर को लगा महंगे ईंधन का एक और झटका

दो महीनों के भीतर विमान इंधन के दाम में तीसरी बार हुई बढ़ोतरी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) यानी विमानन ईंधन के दाम में लगातार हो रही बढ़ोतरी से पहले से दबावग्रस्त भारतीय विमानन उद्योग की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। जेट एयरवेज की उड़ाने बंद हो चुकी हैं, जबकि एयर इंडिया सरकारी मदद के बूते सांस ले रही है। ऐसे में यदि हालात जल्दी नहीं सुधरे तो इंडिगो, विस्तारा और स्पाइसजेट जैसी मजबूत दिख रही कंपनियों की हालत भी बिगड़ सकती है।

बुधवार को तेल कंपनियों ने एटीएफ के दाम फिर बढ़ा दिए। इस बार दामों में 2.5 फीसद अर्थात 1,595.63 रुपये प्रति किलोलीटर की बढ़ोतरी की गई है। इससे अब दिल्ली में एक किलोलीटर (एक हजार लीटर) एटीएफ के लिए विमानन कंपनियों को 65,067.85 रुपये, जबकि मुंबई में 65,029.29 रुपये का भुगतान करना पड़ेगा। दो महीनों के भीतर एटीएफ की कीमत में हुई यह तीसरी बढ़ोतरी है। इस वर्ष पहली अप्रैल को एटीएफ 677.10 रुपये यानी करीब लगभग 0.92 फीसद महंगा हुआ था, जबकि पहली मार्च को इसमें 4,734.15 रुपये यानी 8.1 फीसद की बड़ी बढ़ोतरी की गई थी।

एटीएफ के दाम में बढ़ोतरी ऐसे वक्त में हुई है, जब जेट एयरवेज की उड़ाने बंद होने से यात्रियों पर बढ़ते हवाई किराए का जबर्दस्त दबाव है। विमानन कंपनियां ऐसी हालत में नहीं हैं कि बढ़ती लागत का बोझ वहन कर सकें। विमानन कंपनियों की कुल लागत में ईंधन पर सर्वाधिक 40 फीसद की हिस्सेदारी है। एटीएफ की महंगाई का इस पर सीधा असर पड़ता है। जाहिर है कि बढ़ती गर्मी के साथ हवाई किरायों की तपिश और बढ़ेगी।

पायलट-केबिन क्रू की कमी : दूसरी समस्या पायलटों और केबिन क्रू की है, जिनकी एयर इंडिया के पास फिलहाल भारी कमी है। हालांकि इस कमी को दूर करने के लिए एयर इंडिया प्रबंधन जेट एयरवेज के ढाई सौ पायलटों व केबिन क्रू सदस्यों को भर्ती करने पर विचार कर रहा है। लेकिन जेट के पांच बी-777 विमान लीज पर लेने की योजना को लेकर प्रबंधन पशोपेश में है। इन हालातों में एयर इंडिया को मौजूदा बाजार स्थितियों का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

एयर इंडिया पर बढ़ा दबाव

इस बीच जेट एयरवेज की उड़ाने बंद होने से इंडिगो, विस्तारा और स्पाइसजेट को अच्छा-खासा फायदा हो रहा है। लेकिन विमानों की कमी के कारण सरकारी एयरलाइन एयर इंडिया इस मौके का विशेष लाभ नहीं उठा पा रही है। करीब 127 विमानों के विशाल बेड़े वाली एयर इंडिया के 20 विमान तकनीकी समस्याओं के कारण खड़े हैं। वित्तीय संकट का सामना कर रही एयर इंडिया इन विमानों को दुरुस्त कराने की भी हालत में नहीं है। इनमें ए-320 नियो श्रेणी के 14, बी-787-800 ड्रीमलाइनर श्रेणी के चार तथा बी-777 श्रेणी दो विमान हैं। इनकी मरम्मत के लिए कम से कम 1500 करोड़ रुपये चाहिए।

नए कैंसिलेशन नियम

इधर नए पैसेंजर चार्टर के मद्देनजर एयर इंडिया ने बुधवार से नए कैंसिलेशन नियम लागू करने का एलान किया है। इनके मुताबिक अब एयर इंडिया की बुकिंग कराने के 24 घंटे के भीतर टिकट कैंसिल कराने या तारीख व समय बदलवाने पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। लेकिन इसके बाद एयर इंडिया अपनी मर्जी के मुताबिक निर्धारित शुल्क वसूलेगी। बुकिंग से सात दिन के भीतर होने वाली उड़ानो पर शुल्क से माफी के नियम लागू होंगे।

अप्रैल में रिकॉर्ड 1.13 लाख करोड़ रुपये रहा जीएसटी संग्रह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- एक वर्ष पहले के मुकाबले 10 फीसद अधिक रहा अप्रैल में जीएसटी संग्रह
- इस वर्ष लगातार दो महीनों में जीएसटी संग्रह उच्च स्तर पर
- पिछले वित्त वर्ष के मासिक औसत से भी ज्यादा कलेक्शन

टैक्स चोरी रोकने के लिए उठाए गए कदमों से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इस साल अप्रैल में 1.13 लाख करोड़ रुपये जीएसटी संग्रह हुआ जो पिछले साल के मुकाबले 10 फीसद अधिक है।

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को जीएसटी संग्रह के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि इस साल मार्च के लिए 30 अप्रैल तक 72.13 लाख असेसी ने जीएसटीआर-3बी दाखिल किया है। इस साल अप्रैल लगातार दूसरा महीना है जब जीएसटी संग्रह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। मार्च में जीएसटी संग्रह 1.06 लाख करोड़ रुपये था।

मंत्रालय के अनुसार अप्रैल में जीएसटी संग्रह 1,13,865 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वर्ष अप्रैल में यह 1,03,459 करोड़ रुपये था। इस तरह जीएसटी संग्रह में 10.05 फीसद वृद्धि दर्ज की गई है। अगर अप्रैल के जीएसटी संग्रह की तुलना पिछले वित्त वर्ष के औसत मासिक जीएसटी संग्रह से करें तो वृद्धि और भी अधिक दिखती है। पिछले वित्त वर्ष में औसत मासिक जीएसटी संग्रह 98,114 लाख करोड़ रुपये था। इसके मुकाबले अप्रैल में जीएसटी संग्रह 16.05 फीसद अधिक है।

सरकार ने नियमित सेटलमेंट के तौर पर इंटिग्रेटेड जीएसटी यानी आइजीएसटी से 20,370 करोड़ रुपये सेंट्रल जीएसटी और 15,975 करोड़ रुपये स्टेट जीएसटी के रूप में समायोजित किए हैं। इसके अलावा आइजीएसटी में जो 12,000 करोड़ रुपये राशि बची थी, उसे भी 50:50 के अनुपात में केंद्र और राज्यों के बीच प्रॉविजनल आधार पर बांट दिया गया है। इस तरह रेग्युलर व प्रॉविजनल सेटलमेंट के बाद इस वर्ष अप्रैल में केंद्र के खजाने में सीजीएसटी के रूप में 47,533 करोड़ रुपये और राज्यों के खजाने में एसजीएसटी के रूप में 50,776 करोड़ रुपये आए हैं।

माना जा रहा है कि सरकार ने ई-वे बिल के प्रभावी क्रियान्वयन सहित हाल के महीनों में टैक्स चोरी रोकने के लिए जो कदम उठाए हैं, उसके कारण अप्रैल में जीएसटी संग्रह में उछाल आया है। सरकार ने 2019-20 में सीजीएसटी से 6.10 लाख करोड़ रुपये और क्षतिपूर्ति सैस से 1.01 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। साथ ही आइजीएसटी बैलेंस भी लगभग 50,000 करोड़ रुपये रहने की उम्मीद है। गौरतलब है कि पिछले वित्त वर्ष (2018-19) में सीजीएसटी से सरकार के खजाने में 4.25 लाख करोड़ रुपये आए थे। इसी तरह क्षतिपूर्ति सैस से भी भारी भरकम 97,000 करोड़ रुपये जुटाए गए थे।

सोने में 75 रुपये की गिरावट चांदी हुई 25 रुपये तेज

- स्थानीय मांग घटने और विदेशी बाजार के कमजोर रुझान से सोना गिरा
- औद्योगिक इकाइयों व सिक्का निर्माताओं की ओर से खरीदारी बढ़ने से चांदी चमकी

नई दिल्ली, प्रेट्र : विदेश के कमजोर रुझानों के बीच स्थानीय ज्वेलरों की ओर से मांग गिरने के कारण राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोना 75 रुपये लुढ़ककर 32,870 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन के मुताबिक औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निर्माताओं की ओर से खरीदारी बढ़ाए जाने के कारण हालांकि चांदी 25 रुपये मजबूत होकर 38,525 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

सराफा कारोबारियों ने कहा कि स्थानीय ज्वेलरों के बीच मांग घटने के साथ ही विदेशी बाजारों में रुझान कमजोर रहने से भी पीली धातु की कीमत घट गई। न्यूयॉर्क में सोने में 1,282.10 डॉलर प्रति औंस (28.35 ग्राम) पर और चांदी में 14.99 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार हुआ।

राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 फीसद खरा सोना 75 रुपये लुढ़ककर 32,870 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया और 99.5 फीसद खरा सोना भी इतनी ही गिरावट के साथ 32,700 रुपये प्रति 10 ग्राम का रह गया। आठ ग्राम सोने की गिन्नी हालांकि 26,400 रुपये प्रत्येक के भाव पर कायम रही।

चांदी हाजिर 25 रुपये मजबूत होकर 38,525 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि वीकली डिलीवरी 149 रुपये गिरकर 37,073 रुपये प्रति किलोग्राम की रह गई। चांदी के सिक्कों की कीमत प्रति सैकड़ा 80,000 रुपये खरीद और 81,000 रुपये बिक्री के पिछले स्तर पर कायम रही।

मारुति की बिक्री में भारी गिरावट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले देश की ऑटोमोबाइल कंपनियों ने उम्मीद लगाई थी कि चुनाव में मांग बढ़ेगी और मंदी दूर होगी। लेकिन चुनाव प्रक्रिया आधी गुजर चुकी है और ऑटोमोबाइल उद्योग की स्थिति बदतर ही होती जा रही है। बीते अप्रैल के बिक्री के आंकड़े बताते हैं कि देश के कार बाजार में तकरीबन आधी हिस्सेदारी रखने वाली मारुति सुजुकी की बिक्री 17.2 फीसद तक घट गई है। यह पिछले चार वर्षों में कंपनी की बिक्री में आई सबसे बड़ी गिरावट है। इस दौरान मारुति सुजुकी ने घरेलू और विदेशी बाजारों को मिलाकर कुल 1.43 लाख कारों की बिक्री की है।

कुछ समय पहले तक मारुति की 'रोजी-रोटी' कहे जाने वाले मिनी सेग्मेंट (आल्टो, वैगन-आर) में सबसे ज्यादा 39 फीसद की गिरावट देखी गई है। इसके बाद कॉम्पैक्ट पैसेंजर कार सेग्मेंट (वैगनआर, स्विफ्ट, सिलेरिओ. इग्निस, बलेनो, डिजायर) में भी 13.9 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है।

भारत-ईरान की पांचवें दौर की वार्ता इसी माह संभव

- ईरान से अब तक तरजीही व्यापार समझौते पर चार दौर की वार्ता हो चुकी है
- चौथी वार्ता मार्च में तेहरान में हुई थी, जिसमें करार के मसौदे पर चर्चा हुई

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत और ईरान के वरिष्ठ अधिकारी द्विपक्षीय तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए) के लिए पांचवें दौर की बातचीत इसी महीने कर सकते हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को यह बात कही। अब तक पीटीए को लेकर चार दौर की बातचीत हो चुकी है। आखिरी दौर की वार्ता मार्च में तेहरान में हुई थी, जिसमें दोनों देशों के बीच करार के मसौदे पर चर्चा हुई। अधिकारी ने कहा कि दोनों पक्षों में इसी महीने पांचवें दौर की बातचीत के लिए सहमति बनी है।

मुक्त व्यापार करार में दोनों देश आपसी व्यापार वाले ज्यादातर उत्पादों पर शुल्कों में भारी कटौती करते हैं या उसे पूरी तरह समाप्त कर देते हैं। वहीं पीटीए में कुछ निश्चित पहचाने गए उत्पादों पर शुल्क हटाया जाता है। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि प्रस्तावित करार से भारत को फारस की खाड़ी वाले देश में अधिक बाजार पहुंच उपलब्ध होगी।

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर विश्वजीत धर ने कहा कि पीटीए से भारत को अमेरिका द्वारा ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों के मामले में तो मदद नहीं मिलेगी, लेकिन लंबी अवधि में ईरान भारतीय निर्यातकों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार साबित होगा।

पीटीए भारत के लिए अहम : भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि पीटीए भारत के लिए महत्वपूर्ण है। इससे भारत अपने निर्यात में विविधता ला सकेगा और निर्यात के लिए केवल कृषि उत्पादों तक सीमित नहीं रहेगा।

हमारी प्राथमिकताओं में भारत बहुत ऊपर : टिम कुक

- एपल के सीईओ ने लंबी अवधि में भारत को महत्वपूर्ण और निकट अवधि में चुनौतीपूर्ण बाजार बताया
- भारत में मैन्यूफैक्चरिंग शुरू करने के बाद कंपनी अब स्टोर खोलने के लिए भी सरकार से कर रही है बात

न्यूयॉर्क, प्रेट्र : दिग्गज स्मार्टफोन कंपनी एपल ब्रांडेड रिटेल स्टोर और मैन्यूफैक्चरिंग क्षमता के जरिये पूरी ताकत के साथ भारतीय बाजार में मौजूदगी बढ़ाना चाहती है। वित्त वर्ष 2019 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी करने के अवसर पर एपल के सीईओ टिम कुक ने भारत को लंबी अवधि में एक महत्वपूर्ण बाजार बताया, लेकिन साथ ही कहा कि निकट अवधि में यह काफी चुनौतियों से भरा हुआ भी है।

कुक ने कहा कि हमने भारतीय बाजार के हिसाब से अपनी योजना में कुछ बदलाव किया है। शुरू में बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। भारत में महंगे स्मार्टफोन सेगमेंट में कड़ी प्रतियोगिता को देखते हुए एपल ने पिछले महीने आइफोन एक्सआर की कीमत 22 फीसद तक घटा दी। एपल ने भारत में पहले ही मैन्यूफैक्चरिंग शुरू कर दी है। कुक ने कहा कि इसका और विस्तार किया जा रहा है। एपल भारत में ब्रांडेड रिटेल स्टोर खोलना चाहती है और इसकी अनुमति के लिए वह सरकार से बात कर रही है। इस तरह हम अपनी पूरी ताकत के साथ भारत में मौजूदगी बढ़ाना चाहते हैं।

बंगलुरु के एपल एक्सीलरेटर के बारे में कुक ने कहा कि वहां हो रही कुछ चीजों को लेकर कंपनी काफी उत्साहित है। उसमें विकास की अकूत संभावना है। भारत में एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम का दबदबा और उसकी तुलना में एपल के ऑपरेटिंग सिस्टम आइओएस की छोटी बाजार हिस्सेदारी को लेकर कुक ने कहा कि इसका सिर्फ यही मतलब है कि भारत में काफी अवसर है।

एपल को जनवरी-मार्च तिमाही चार लाख करोड़ रुपये की आय

कैलिफोर्निया : जनवरी-मार्च तिमाही में एपल को 58 अरब डॉलर (चार लाख करोड़ रुपये से अधिक) की आय हुई। एक साल पहले की समान तिमाही की तुलना में हालांकि यह पांच फीसद कम है। कंपनी का शुद्ध लाभ 16 फीसद घटकर 11.56 अरब डॉलर रहा। आइफोन सेगमेंट में 31.05 अरब डॉलर की आय हुई। आइक्लाउड, एपल म्यूजिक और एप स्टोर जैसे सेगमेंट में कंपनी की आय बढ़कर 11.5 अरब डॉलर पर पहुंच गई। एपल सर्विसेज का पेड सब्सक्रिप्शंस 39 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

तैयारी

रिलायंस जियो का सुपर एप एक ही प्लेटफॉर्म पर देगा 100 से ज्यादा सुविधाएं, कंपनी के पास पहले से है 30 करोड़ से अधिक उपभोक्ता और जियो डिवाइस के विशाल नेटवर्क का दम

सुपर एप से दिग्गजों को टक्कर देगी रिलायंस जियो

नई दिल्ली, आइएएनएस : रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन-टु-ऑफलाइन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को लांच करने की तैयारी कर रहे हैं, जो अमेजन और वालमार्ट-फ्लिपकार्ट को भी धूल चटा देगा। इस बीच ऐसी चर्चा है कि रिलायंस जियो एक सुपर एप बनाने पर काम कर रही है, जिसमें एक ही प्लेटफॉम पर उपयोगकर्ताओं को 100 से अधिक सेवाएं मिलेंगी।

रिलायंस जियो मोबाइल वॉयस कॉल और डाटा कारोबार में पहले ही देश में 30 करोड़ से अधिक उपभोक्ता बना चुकी है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस स्थिति में सुपर एप को लांच करने के बाद रिलायंस जियो भारतीय बाजार में सबसे दमदार स्थिति में पहुंच जाएगी। अब तक स्नैपडील, पेटीएम, फ्रीचार्ज, फ्लिपकार्ट और हाइक जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को भारत में बहुत अधिक सफलता नहीं मिल पाई है।

सीएमआर के इंडस्ट्री इंटेलीजेंस ग्रुप के प्रमुख प्रभु राम ने कहा कि बाजार में जियो डिवाइस की व्यापक मौजूदगी रिलायंस को एक दमदार स्थिति उपलब्ध कराती है। रिलायंस जियो के सुपर एप के जरिये एक ही जगह पर ईकॉमर्स, ऑनलाइन बुकिंग और पेमेंट्स की सुविधा मिलेगी। एक के बाद एक अधिग्रहण और निवेश के जरिए रिलायंस जियो ने अनेक टेक्नोलॉजी लेयर बना लिए हैं, जिनमें कन्वर्सेसनल आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) लेयर, वर्नाक्यूलर वॉयस टेक लेयर, लॉजिस्टिक्स लेयर और एआइ आधारित एजुकेशन लेयर शामिल हैं। ये सभी लेयर और इसके साथ जियो डिवाइसेज का विशाल नेटवर्क रिलायंस जियो को प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले सबसे दमदार स्थिति में पहुंचा देगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक तेजी से विकास कर रहा भारत का ईकॉमर्स बाजार 2021 तक 84 अरब डॉलर (करीब 5.8 लाख करोड़ रुपये) का हो जाएगा। 2017 में यह बाजार 24 अरब डॉलर (करीब 1.7 लाख करोड़ रुपये) का था। रिलायंस जियो के ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म की एंट्री से इस बाजार में भारी उथल-पुथल मचने की संभावना है। मुकेश अंबानी के मुताबिक नए ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म का लक्ष्य देश के करीब तीन करोड़ व्यापारियों के जीवन में सुधार लाना है। यह प्लेटफॉर्म उन्हें वे सभी काम करने में सक्षम बना देगा, जो बड़ी कंपनियां और स्थापित ईकॉमर्स कंपनियां कर सकती हैं।

अंबानी ने पिछले साल नवंबर में मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव में कहा था कि रिलायंस दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन-टु-ऑफलाइन नए कॉमर्स प्लेटफॉर्म बनाने पर काम कर रही है। मोबाइल कारोबार को सफलता पूर्वक खड़ा करने के बाद जियो अब कम कनेक्टिविटी वाले घरों और कंपनियों के बाजार को ग्लोबल स्टैंडर्ड का बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके लिए वह अगली पीढ़ी वाली गीगाफाइबर एफटीटीएच सेवाओं का इस्तेमाल कर रही है। जनवरी-मार्च 2019 तिमाही में रिलायंस जियो इन्फोकॉम ने एकल आधार पर अपने शुद्ध लाभ में 64.7 फीसद बढ़ोतरी दर्ज की है।

मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर व हिमाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर गरज और तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा होगी। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली व राजस्थान में मौसम शुष्क व काफी गर्म रहेगा। एक-दो स्थानों पर गरज के साथ धूलभरी आंधी व हल्की वर्षा संभव है। राजस्थान में मध्यम गति की गर्म हवाएं चलेंगी।

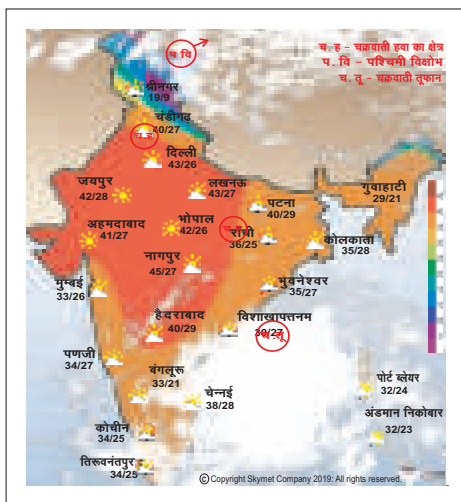

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	32/27/आंबा	अहमदाबाद	41/20/आंबा
कोलकाता	30/29/रसा	बड़ौदा	40/22/आंबा
चेन्नई	37/28/आंबा	नागपुर	44/28/आंबा
हैदराबाद	38/28/रसा	इन्दौर	39/24/रसा
बंगलूरू	34/20/रसा	रांची	44/28/आंबा
त्रिवेन्द्रम	35/26/रसा	पटना	46/28/रसा
गुवाहाटी	31/23/आंबा	जमशेदपुर	45/29/आंबा
गंगटोक	15/04/रसा	पुणे	34/20/व